आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 23.08.2026 **समय : 1905**

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भारत को वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र का पसंदीदा केंद्र बनाने के लिए स्टार्टअप्स निरन्तर प्रयास करते रहें।
2. इंडिया स्किल्स 2026–27 के लिए पंजीकरण शुरू, अंडमान के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का अवसर।
3. विकसित भारत की ओर नवाचार, सहयोग और वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की आकांक्षा, विषय के साथ विज्ञान केंद्र में मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस।
4. कैम्पबेल बे के शास्त्री नगर में बिजली आपूर्ति में अनियमिता के कारण संचार टावरों में आग लगने से फोन सेवाएं ठप हुईं।

<><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अंतरिक्ष क्षेत्र के स्टार्टअप्स से लगातार प्रयास करते हुए देश में मजबूत स्पेस इकोसिस्टम तैयार करने की अपील की। स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बातचीत में श्री मोदी ने कहा कि ऐसा माहौल बनाया जाना चाहिए, जिससे दुनिया भर के लोग अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर और भविष्य बनाने के लिए भारत को पसंदीदा स्थान मानें। प्रधानमंत्री ने कहा कि कम लागत, कुशल प्रतिभा और जोखिम उठाने की क्षमता भारत को वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में मदद कर सकती है। इस दौरान देश की पहली स्पेस–टेक यूनिकॉर्न कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस के सी ई ओ पवन कुमार चांदना ने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

<><><><><><>

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार और अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के प्रशिक्षण विभाग की ओर से देश की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता इंडिया स्किल्स 2026–27 के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। आई टी आई डॉलीगंज की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कौशल सीखें, अपना भविष्य संवारें की भावना के साथ देश की प्रतिभाओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाना है। प्रतियोगिता में पंजीकरण पूरी तरह निःशुल्क है। आई टी आई डॉलीगंज, बकुलतला और एरोंग के प्रशिक्षु, प्रशिक्षणार्थी, विद्यार्थी और युवा पेशेवर इसमें भाग ले सकते हैं। भाग लेने के लिए उम्मीदवार का जन्म एक जनवरी 2006 या उसके बाद हुआ होना चाहिए। वहीं, कुछ विशेष कौशलों के लिए जन्म की सीमा एक जनवरी 2003 या उसके बाद रखी गई है। प्रतिभागी 50 से अधिक कौशल श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। इनमें विनिर्माण और अभियांत्रिकी, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं, निर्माण एवं भवन प्रौद्योगिकी, रचनात्मक कला एवं परिधान तथा सेवा क्षेत्र सहित कई अन्य क्षेत्र शामिल हैं। प्रतियोगिता के विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कौशल मानकों को समझने और सीखने का अवसर मिलेगा। विजेताओं को नकद पुरस्कार और पदक भी प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, उन्हें विश्व कौशल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सकता है। इच्छुक युवा स्किल इंडिया डिजिटल की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

<><><><><><>

सरकार ने टेलीविजन चैनलों के लिए विज्ञापन की 12 मिनट की समय–सीमा हटा दी है। इस संबंध में राजपत्र में केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 में संशोधन की अधिसूचना जारी की गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, टेलीविजन प्रसारण क्षेत्र में हुए बदलावों को देखते हुए विज्ञापन अवधि से जुड़े नियमों पर पुनर्विचार जरूरी था। मंत्रालय ने कहा कि भारत में टेलीविजन चैनल विज्ञापन पर काफी निर्भर हैं और अब टेलीविजन तथा डिजिटल मीडिया के बीच पर्याप्त प्रतिस्पर्धा है।

<><><><><><>

राजधानी श्री विजय पुरम स्थित विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2026 मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों से परिचित कराना और उनमें वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता तथा अंतरिक्ष की खोज के प्रति रुचि बढ़ाना था। इस वर्ष राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का विषय था विकसित भारत की ओर नवाचार, सहयोग और वैश्विक अंतरिक्ष नेतृत्व की आकांक्षा। कार्यक्रम के तहत स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता और मध्य स्तर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। समारोह में भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के कार्यालय प्रमुख सत्याकी पॉल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच

विकसित करने के लिए विज्ञान केंद्र के प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के कार्यालय प्रमुख सात्यिकी पॉल ने इस अवसर पर कहा –

<><><><><><><>

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, ने भारत के रचनात्मक क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से जमीनी स्तर के डिजिटल रचनाकारों की पहचान करने, उन्हें निखारने और बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय पहल, 'जेम्स ऑफ इंडिया' चैलेंज के पायलट चरण की शुरुआत की है, जिसमें अंडमान निकोबार द्वीपसमूह भी शामिल है। यह चैलेंज में द्वीपों के तीनों जिलों के रचनाकारों को जनजातीय संस्कृति, पर्यावरण–पर्यटन, स्थानीय व्यंजन, पारंपरिक शिल्प और सामुदायिक उपलब्धियों सहित 'एमराल्ड आइलेस' की अनूठी पहचान प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित करता है। प्रविष्टियां 31 अगस्त तक WAVES पोर्टल पर स्वीकार की जाएंगी। इसके तहत प्रतिभागियों को 1 से 3 मिनट की मूल डिजिटल सामग्री पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। विजेताओं को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

<><><><><><><>

पोर्ट ब्लेयर में कल से 7 सितंबर तक सर्किट कोर्ट का आयोजन किया जाएगा। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा और न्यायमूर्ति बिस्वरूप चौधरी मामलों की सुनवाई करेंगे।

<><><><><><><>

कैम्पबेल बे के शास्त्रीनगर इलाके में बिजली आपूर्ति में अनियमितता के कारण एक साथ खड़े बी एस एन एल और एक अन्य टावरों में आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में मोबाइल और फोन सेवा ठप हो गई है। क्षेत्र के एस डी ओ ने लोगों को आश्वासन दिया है कि अगले 48 घंटों के भीतर फोन सेवाएं बहाल कर दी जाएगी।

<><><><><><><>

कला एवं संस्कृति विभाग वित्तीय वर्ष 2026–27 की सहायता अनुदान के लिए द्वीपसमूह के पंजीकृत सांस्कृतिक संगठनों से आवेदन आमंत्रित करता है। इसके तहत प्रत्येक पात्र संगठन को 25 हजार रूपये का सहायता अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए सांस्कृतिक संगठनों का द्वीपसमूह में पंजीकृत कार्यालय, कला–संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव के संवर्धन में सक्रिय तथा न्यूनतम एक वर्ष की अवधि से कार्यरत होना चाहिए। इच्छुक संगठनों को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन 15 सितम्बर तक विभाग के निदेशक के पते पर जमा करना होगा। आवेदन फार्म प्रशासन के वेबसाइट से डाउनलोड या कला एवं संस्कृति निदेशालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

<><><><><><><>